ईईपीसी इंडिया

ईईपीसी इंडिया (जिसे पहले इंजीनियरी निर्यात संवर्धन परिषद के नाम से जाना जाता था) की स्थापना भारत से इंजीनियरी उत्पादों, परियोजनाओं और सेवाओं के निर्यात में संवर्धन करने की दृष्टि से वाणिज्य मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में वर्ष 1955 में की गई थी। ईईपीसी इंडिया, जिसे कुछ सदस्यों के साथ मिलकर एक लघु रूप में शुरू किया गया था, पिछले पाँच दशकों के दौरान देश के सबसे बड़े निर्यात संवर्धन परिषद के रूप में स्थापित हो गया है। आज लगभग 13,000 इंजीनियरी फर्म ईईपीसी इंडिया की सदस्य हैं, जिनमें बड़े कॉरपोरेट हाउस, लघु और मध्यम उद्यम तथा ट्रेडिंग कंपनियों सहित भारत के समस्त इंजीनियरी उद्योग शामिल हैं। ईईपीसी इंडिया, आईएसओ 9002 प्रमाणन प्राप्त करने वाला देश का पहला निर्यात संवर्धन संगठन है तथा विदेश में भारतीय इंजीनियरी प्रदर्शनियों (आईएनडीईई) के अभिकल्पन और आयोजन के लिए आईएसओ 9001:2000 प्रमाणन प्राप्त करने वाला देश का पहला संगठन है।

वर्ष 1955 में स्थापित किए जाने से अब तक ईईपीसी इंडिया ने भारत के इंजीनियरी निर्यात क्षेत्र के प्रोफाइल में परिर्वतन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारतीय इंजीनियरी निर्यात, 1956–57 में 10 मिलियन अमेरिकी डॉलर की तुलना में वर्ष 2013–14 में बढ़कर 62 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया है।

इसके अतिरिक्त, भारतीय इंजीनियरी उद्योग भारतीय औद्योगिक क्षेत्र का सबसे बड़ा खंड है। भारत का 3 प्रतिशत से अधिक सकल घरेलू उत्पाद, औद्योगिक क्षेत्र की कुल फैक्ट्रियों का 25 प्रतिशत (2011–12 तक की स्थिति के अनुसार), इंजीनियरी उद्योग के कारण है और यह समस्त विदेशी सहयोगी कंपनियों के 63 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करता है। "अनलीशिंग इंडियाज इन्नोवेशन्स" नामक विश्व बैंक के अध्ययन के अनुसार, देश, विशेषकर कम–लागत, उच्च–प्रौद्योगिकी संबंधी किफायती नवीन प्रौद्योगिकी की दिशा में तेजी से वैश्विक मान्यता प्राप्त कर रहा है। अंतर्राष्ट्रीय कंपनियां भारत में अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) केन्द्र स्थापित करने के अलावा सेमीकंडक्टर्स, ऑटोमोटिव हाइब्रिड टैक्नोलॉजी, दूरसंचार में नेक्स्ट जेन राउटर्स, पावर उत्पादन उपकरण, एयरोस्पेस, एवियोनिक्स तथा ग्राहक इलैक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों में औद्योगिक इंजीनियर डिजाइन संबंधी कार्यों को भारत में आउटसोर्स कर रही हैं।

इस परिषद के विपणन संबंधी कई कार्यकलाप हैं। प्रत्यक्ष विपणन के अलावा, निर्यातकों में जागरूकता पैदा करने के लिए संगठित प्रचारात्मक कार्यक्रमों का नियमित रूप से आयोजन किया जाता है। इन प्रचारात्मक कार्यकलापों में लक्षित देशों में उत्पाद विशिष्ट प्रतिनिधिमंडल, विशिष्ट भारतीय इंजीनियरी प्रदर्शनी का विदेशों में आयोजन, विशिष्ट व्यापार मेलों में तथा कैटालॉग कार्यक्रमों, क्रेता–विक्रेता सम्मेलनों तथा भारत और विदेश में संगोष्ठियों / सम्मेलनों में भाग लेना शामिल है।

इंजीनियरी क्षेत्र में भारत की द्रुतगामी प्रगति के बारे में जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से ईईपीसी इंडिया, इंडी (आईएनडीईई) नाम से भारतीय इंजीनियरी प्रदर्शनियों का अनन्य रूप से आयोजन करता है। इन प्रदर्शनियों का मुख्य उद्देश्य भारतीय इंजीनियरी उद्योग को कम लागत वाले, श्रम जन्य उत्पादों के स्थान पर अब उन्नत प्रौद्योगिकी वाले उन उत्पादों के प्रदायक के रूप में प्रोजेक्ट करना है जिनकी तुलना विकसित देशों के उत्पादों से की जा सकती है। ईईपीसी ने सिंगापुर, बैंकॉक, नैरोबी, लागोस, कोलंबो, काहिरा, काराकास, लंदन, मेलबोर्न, अदीस अबाबा, साओ पाओलो, अलमाती, जकार्ता, मेक्सिको सिटी, जोहान्सबर्ग, सेंट पीटर्सबर्ग, कुआलालम्पुर और शंघाई में विशिष्ट रूप से इंडीज का आयोजन किया है। ईईपीसी इंडिया नियमित रूप से विभिन्न कैटालॉग कार्यक्रमों में भाग लेता है जहां सूचना केन्द्रों का प्रयोग, भारतीय कंपनियों के उत्पादों के कैटालॉग प्रदर्शित और वितरित करने के लिए किया जाता है। भारत से सोर्सिंग को बढ़ावा देने के लिए, ईईपीसी इंडिया ने भारत में इंडियन इंजीनियरिंग सोर्सिंग शोज (आईईएसएस) तथा भारत सरकार के इंडिया शोज का भी आयोजन किया है। इंजीनियरी संबंधी प्रदर्शनियों तथा व्यापार मेलों में बहु–आयामी पहुंच भारतीय निर्यातकों और विदेशी खरीददारों के लिए बेहद लाभकारी सिद्ध हुई है।

ईईपीसी, विदेशी खरीददारों को सेवाओं की रेंज निःशुल्क उपलब्ध कराता है ताकि भारत से उत्पादों का प्रापण सुविधाजनक हो सके। इनमें, विक्रेताओं की अपेक्षाओं के अनुरूप भारत में प्रदायकों की पहचान करने में सहयोग करना, विदेशी खरीददारों के दौरों की व्यवस्था करना, प्रारंभिक व्यावसाय मिशन और व्यापार, भारत के प्रतिनिधिमंडल, अनुरोध पर प्रदाता के प्रोफाइल और स्थिति संबंधी रिपोर्ट प्रदान करना, विकासशील देशों के लिए सहयोग स्थापित करने में सहायता प्रदान करना, भारत की तकनीकी क्षमता और प्रदान करने संबंधी सामर्थ्य के संबंध में विदेशी खरीददारों के बीच जागरूकता पैदा करना, भारत के व्यावसायिक परिवेश और नीतियों से विक्रेताओं को अवगत कराना तथा व्यापार संबंधी विवादों के सौहार्दपूर्ण निपटान और प्रचालानात्मक अवरोधों को दूर करने में सहायता करना शामिल है।

डाक विभाग ईईपीसी इंडिया पर स्मारक डाक–टिकट जारी करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करता है।

आभार :–

मूलपाठ : प्रस्तावक द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री पर आधारित

डाक–टिकट : अलका शर्मा

प्रथम दिवस आवरण / विरूपण

भारतीय डाक
India Post

तकनीकी आंकड़े
TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग Denomination	: :	500 पैसा 500 p
मुद्रित डाक–टिकटें Stamps Printed	: :	6 लाख 0.6 Million
मुद्रण प्रक्रिया Printing Process	: :	वेट ऑफसेट Wet Offset
मुद्रक Printer	: :	प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद Security Printing Press, Hyderabad

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक–टिकट, प्रथम दिवस आवरण त
सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

© Department of Posts, Government of India. All rights w
respect to the stamp, first day cover and information brochure r
with the Department.

मूल्य ₹ 5.00

EEPC INDIA

EEPC India (formerly Engineering Export Promotion Council) was set up in 1955, under the sponsorship of the Ministry of Commerce, Government of India, for promoting exports of engineering good, projects and services from India. EEPC India, which started out in a small way with few members, has established itself as the largest export promotion council in the country in the last five decades. Today EEPC India has a membership of around 13,000 engineering firms covering the entire spectrum of India's engineering industry which consists of large corporate houses, small and medium enterprises, and trading companies. EEPC India is the first export promotion organisation in the country to have received the ISO 9002 certification and also the first organisation in the country to have achieved ISO 9001: 2000 certification for designing and organising Indian Engineering Exhibitions (INDEEs) abroad.

Since its inception in 1955, the EEPC India has played a pivotal role in transforming the profile of India's engineering exports sector. Indian engineering exports have risen from a mere US$10 million in 1956-57 to US$62 billion in 2013-14.

Moreover, Indian engineering industry is the largest segment of the Indian industrial sector. The engineering industry accounts for over 3 per cent of India's GDP, for 25 per cent (as on 2011-12) of the total factories in industrial sector and represents 63 per cent of the overall foreign collaborations. The country is increasingly attaining global recognition especially for its low-cost, high-tech frugal innovation technology, according to a World Bank study named 'Unleashing India's Innovations'. International companies are outsourcing industrial engineering design tasks to India in sectors like semiconductors, automotive hybrid technologies, next-gen routers in telecom, power generation equipments, aerospace, avionics and consumer electronics, besides setting up research and development (R&D) centres in India.

The marketing activities of the Council are manifold. In addition to direct marketing, structured promotional events are organised on a regular basis to create awareness among exporters. These promotional activities comprise product specific delegations to targeted countries, organising exclusive Indian Engineering Exhibition overseas, participation in specialized trade fairs and catalogue shows overseas, Buyer-Seller Meets, and product-specific seminars/conferences in India and abroad.

To create awareness on India's rapid progress in the engineering sector, EEPC India organises exclusive Indian Engineering Exhibitions known as INDEE. These exhibitions are primarily meant for projecting the transformation of the Indian engineering industry from a supplier of low-value, labour-intensive products to technologically advanced items comparable with products of the developed nations. EEPC India has organised exclusive INDEEs in Singapore, Bangkok, Nairobi, Lagos, Colombo, Cairo, Caracas, London, Melbourne, Addis Ababa, Sao Paolo, Almaty, Jakarta, Mexico City, Johannesburg, St Petersburg, Kuala Lumpur and Shanghai. EEPC India also regularly participates in several Catalogue Shows where Information Booths are used to display and distribute product catalogues of Indian companies. To promote sourcing from India, EEPC India has also organized Indian Engineering Sourcing Shows (IESS) in India and the India Shows of the Government of India. This Multi-pronged approach in engineering exhibitions and trade fairs has proved to be very productive both for Indian exporters and foreign buyers.

EEPC provides a range of services to overseas buyers free of cost to facilitate the procurement of products from India. These include helping to identify suppliers in India who conform to the needs of buyers, arranging visits of overseas buyers, exploratory business missions and trade; delegations to India, providing suppliers' profile and status report on request, assisting in establishing collaboration for third country exports, creating awareness among overseas buyers on India's technical competence and supply capabilities, acquainting buyers with the business climate and policies in India, and, helping to amicably settle trade disputes and remove operational constraints.

Department of Posts is pleased to release a commemorative postage stamp on EEPC India.

Credits:-

Text	:	Based on the material received from proponent
Stamp/FDC/ Cancellation Cachet	:	Alka Sharma

भारतीय डाक विभाग

Department of Posts

India

1955-2015

ईईपीसी इण्डिया EEPC INDIA

विवरणिका BROCHURE